Statement

Names of persons who were arrested in—

(i) *Coomar Narain case;*

1. Coomar Narain, Regional Manager, Manaklal Group of Industries.

2. P. Gopalan, Sr. PA to the Principal Secretary to the PM.

3. T. N. Kher, Under Secretary to the Principal Secretary to PM.

4. K. K. Malhotra, Sr. PA to Principal Secretary to the PM.

5. S. L.. Chandna, PA to Principal Secretary to the PM.

6. J. M. Tiwari, Sr. PA to Addl. Secretary, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

7. S. Sankaran, Sr. PA to Press Secretary to the President.

8. J. C. Arora, PA to Secretary, Defence Production.

9. S. N. Ram, UDC in the Office of the Principal Secretary to PM.

10. Amrik Lai, Sr. PA to Joint Secretary, Defence Supplies, Ministry of Defence.

11. Ashok Kumar, PA to Deputy Secretary *to* the President of India.

12. H. N. Chaturvedi, Assistant, Ministry of Commerce (EPLSG Section).

13. B. K. Aggarwal Managing Director, Gangaur Impex (P) Ltd., New Delhi.

14. Ashok Jaidka of Jaidka Hosiery Factory, Ludhiana.

15. A. P. Sarathy, Retd. Civil Staff Officer, Ministry of Defence (since dead).

16. Yogesh, T. Maneklal, Managing Director, SLM Maneklal Industries Ltd., Bombay.

17. V. K. Palaniswami, Sr. PA to the Director, Major Ports Reforms Committee, Ministry of Shipping and Transport, New Delhi.

18. K. C. Sharma, formerly sr. PA to Secretary, Ministry of Finance and Secretary, Planning Commission,

(ii) Rama *Swarup case:*

(a) Rama Swarup, D-83, Defence Colony, New Delhi.

(b) Javed Saeed Siddiqui, Hause No. 63, Ghaffar Manjil, Okhla Extension, New Delhi.

Delhi Andaman Nicobar Islands Civil Service Rules, 1971

2579. SHRI SHAMIM AHMED SIDDIQI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Delhi Andaman Nicobar Islands Civil Service Rules, 1971 provide that Departmental Promotion Committee should meet atleast once in a year;

(b) whether it is also a fact that the Departmental Promotion Committee met in 1973 and 1983 only;

(c) the reasons for not holding annual meetings of the Committees;

(d) when it is expected now; and

(e) how Government propose to compensate the promotee officers who have suffered in the absence of any meeting of Departmental Promotion Committee for the last five years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) No, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) to (e) Central Administrative Tribunal have recently quashed the seniority lists of Delhi Administration Subordinate Service (DASS), which is one of the feeder cadre for appointment to Grade-II of Delhi, Andaman and Nicobar Islands Civil Service. Regular appointments to Grade-II of

DANI Civil Service can be made when the revised seniority lists of DASS are finalised. However, pending regular appointments, Delhi Administration and Andaman Administration have made certain ad-hoc appointments against duty posts of DANI Civil Service. This service shall count towards the eligibility period for promotion to the next grade i.e. Selection grade of the service, as per the provisions of DANI Civil Service Rules, **1971.**

दहेज के कारण होने वाली मौतें

2580. श्री ईश दत्त यादव : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1988 से अब तक दिल्ली, उत्तर प्रदेश तथा देश के अन्य भागों में दहेज के कारण हुई मौतों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) दहेज उन्मूलन और इसके दुष्परिणामों को रोकने की दिशा में सरकार द्वारा क्या-क्या तत्काल तथा दीर्घ-कालिक उपाय किए गए हैं और उनके क्या परिणाम निकले हैं ; और

(ग) क्या यह भी सच है कि दहेज से होने वाली मौतों की संख्या में वृद्धि हो रही है ; यदि हां तो इस वृद्धि को कब तक नियंत्रण में लाया जाएगा और अब तक इस दिशा में सरकार की विफलता के क्या कारण हैं ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. चिदम्बरम्) : (क) 1-1-1988 से 31-10-1988 की अवधि के दौरान राज्यवार और संघ शासित क्षेत्र-वार दहेज के कारण हुई मौतों की दर्ज हुई संख्या के मामलों का विवरण संलग्न है (**नीचे देखिए**) ।

(ख) दहेज निषेध अधिनियम, 1961 को अधिक कड़ा बनाने के लिए वर्ष 1984 और 1986 में संशोधन किया गया है। भारतीय दंड संहिता, अपराध प्रक्रिया संहिता, 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 में भी न केवल ऐसे मामलों से प्रभावकारी ढंग से निपटने के लिए बल्कि विवाहित महिलाओं पर अत्याचार के मामलों से भी निपटने के लिए संशोधन किया गया है ।

(ग) वर्ष 1985, 1986 और 1987 के दौरान राज्यवार और संघ शासित क्षेत्र-वार "दहेज के कारण हुई मौतों" के सूचित मामलों का एक विवरण दिनांक 24-11-1988 को अतारांकित प्रश्न संख्या 1712 के उत्तर में पहले ही सदन के पटल पर रखा जा चुका है। दहेज एक सामाजिक बुराई है, जिसके उन्मूलन के लिए समाज के सभी वर्गों द्वारा निरंतर प्रयत्न किए जाने की आवश्यकता है ।

विवरण

1-1-1988 से 31-10-1988 की अवधि के दौरान दर्ज "दहेज के कारण हुई मौतों" का राज्यवार और संघ शासित/क्षेत्रवार मामलों की संख्या

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	दहेज के कारण हुई मौतों के दर्ज मामलों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4
	राज्य		
1.	आंध्र प्रदेश	72	जून, 1988 तक
2.	अरुणाचल प्रदेश	1	सितम्बर, 1988 तक